



Mr. Sanjeev Jain

02 Sep 1964

Model: web-freenumerology

Order No: 121127308

अंक ज्योतिष फल

नाम	Mr.Sanjeev Jain
जन्म तिथि	02/09/1964
मूलांक	2
भाग्यांक	4
नामांक	4
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	हर्षल/राहु
नामांक स्वामी	हर्षल/राहु
मित्र अंक	7, 9, 4
शत्रु अंक	5, 8
सम अंक	1, 3, 6
मुख्य वर्ष	1973,1982,1991,2000,2009,2018,2027,2036
शुभ आयु	9,18,27,36,45,54,63,72
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri BEd

234 Milansar Apartment Paschim Vihar New 110063
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक दो होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक दो होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। जिसके प्रभाववश आप एक कल्पनाशील, कलाप्रिय एवं स्नेहशील स्वभाव के व्यक्ति रहेंगे। आपकी कल्पनाशक्ति उच्च कोटि की रहेगी, लेकिन शारीरिक शक्ति आपकी बहुत अच्छी नहीं रहेगी। आपका बुद्धि चातुर्य काफी अच्छा होगा एवं बुद्धि विवेक के कार्यों में आप दूसरों से बाजी मार ले जायेंगे। जिस प्रकार से आपके मूलांक स्वामी चन्द्रमा का रूप एकसा नहीं रहता समयानुसार घटता-बढ़ता रहता है, उसी तरह आप भी अपने जीवन में एक विचार या योजना पर दृढ़ नहीं रहेंगे।

आपकी योजनाओं में बदलाव होता रहेगा एवं एक योजना को छोड़कर दूसरी को प्रारम्भ करने की प्रवृत्ति आपके अन्दर पाई जायेगी। धीरज एवं अध्यवसाय की आप में कमी रहेगी। इससे आपके कई कार्य समय पर पूर्ण नहीं होंगे। आत्म विश्वास की मात्रा आप के अन्दर कम रहेगी एवं स्वयं अपने ऊपर पूर्ण भरोसा नहीं रख पायेंगे, जिससे कभी-कभी आपको निराशा का सामना करना पड़ेगा।

आपकी सामाजिक स्थिति उत्तम दर्जे की रहेगी एवं मानसिक रूप से जिसे आप अपना लेंगे वैसे ही लाभ आपको प्राप्त होंगे। जनता के मध्य आप एक लोकप्रिय व्यक्ति रहेंगे, तथा स्वयं की मेहनत से अपनी सामाजिक स्थिति निर्मित करेंगे।

आपको अवस्थानुसार नेत्र, उदर, एवं मूत्र संबंधी रोगों का सामना करना पड़ेगा, मानसिक तनाव तथा शीतरोग भी परेशान करेंगे। जल से उत्पन्न रोग कफ, सर्दी-जुकाम, सिरदर्द की शिकायतें भी यदाकदा होंगी।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri BEd

234 Milansar Apartment Paschim Vihar New 110063
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com